विश्वामित्री नदी और कच्छ मगरमच्छ

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

गुजरात सरकार ने वडोदरा की **विश्वामित्री नदी** में **मगर अथवा कच्छ मगरमच्छ** ***(Crocodylus palustris)*** की संख्या का अनुमान लगाने के लिये **मगरमच्छों की गणना** की।

- **विश्वामित्री नदी:** यह नदी गुजरात में **पावागढ़ पहाड़ियों** (पश्चिमी घाट का भाग) से निकलती है और **वडोदरा से होकर बहती है** तथा **खंभात की खाड़ी** में मिल जाती है। इसकी **सहायक नदियाँ ढाढर और खानपुर** इसमें मिलती हैं।
  - इसके तटों पर स्थित अधिवास **1000 ईसा पूर्व प्राचीन** हैं, जिनमें **अंकोटक्का (अब अकोटा)** भी शामिल है, जो **गुप्त और वल्लभी शासन** के दौरान विकसित हुई थी।
  - इसमें **कच्छ मगरमच्छ,** अलवणीय जल के कछुए और **मॉनिटर लिज़ार्ड** पाई जाती हैं, जो इसे शहरी नदियों के बीच पारिस्थितिक रूप से अद्वितीय बनाती हैं।
- **मगर अथवा कच्छ मगरमच्छ:** ये **भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और नेपाल** में पाए जाते हैं तथा पश्चिम की ओर **पूर्वी ईरान** तक इनका विस्तारण है जहाँ यह मुख्यतः नदियों, झीलों और दलदलों जैसे **अलवणीय जल क्षेत्रों** में पाए जाते हैं।
  - यह मुख्यतः **गंगा नदी बेसिन** (बिहार और झारखंड), **चंबल नदी** (राजस्थान तथा मध्य प्रदेश) और **गुजरात** सहित भारत के 15 राज्यों में पाया जाता है।
  - ये मछली, सरीसृप, पक्षी और स्तनधारी जीवों का भक्षण करते हैं। ये प्रजाति विविर नीडन (Hole-Nesting) करती हैं, जो शुष्क ऋतु के दौरान 25 से 30 अंडे देती हैं और इनकी ऊष्मायन अवधि 55 से 75 दिन की होती है।
  - इस प्रजाति को **आवास नाश, अवैध शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष** जैसे खतरों का सामना करना पड़ता है।
- **संरक्षण:** सुभेद्य **(IUCN)**, CITES (परिशिष्ट I), और अनुसूची I **(भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972)**।

//

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट।	परिशिष्ट।	परिशिष्ट।
CMS स्थिति	परिशिष्ट।	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची।	अनुसूची।	अनुसूची।
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 मगर संरक्षण कार्यक्रम मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

और पढ़ें: मगर प्रजाति के मगरमच्छ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vishwamitri-river-and-mugger-crocodiles